हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा हो।

हम परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं कि उसने हमें फिर से यह अनुग्रह दिया है कि हम उसके वचन का अध्ययन करें। आज हम योना की पुस्तक के अंतिम अध्याय, अध्याय 4 पर हैं।

जैसा कि हमने पिछले अध्यायों में देखा, भविष्यद्वक्ता योना उन मसीहीयों का प्रतिनिधित्व करता है जो विश्वास में गुनगुने हैं। बाइबल ऐसे लोगों को “मूर्ख कुँवारी” (मत्ती 25) कहती है, जिन्हें अपने दूल्हे के साथ विवाह भोज में जाना था, परन्तु क्योंकि उनकी दीपक में तेल का भण्डार नहीं था, वे पीछे छूट गए। वे केवल यह मानकर बैठे थे कि दीपक में जो तेल है वही पर्याप्त होगा — परन्तु जब दूल्हा आया तो वे तैयार न पाए गए। यह अन्तिम समय के लाओदीकिया कलीसिया के गुनगुने मसीहीयों का साफ चित्र है।

योना 4
1 परन्तु यह बात योना को बहुत बुरी लगी, और वह क्रोधित हुआ।

2 उसने यहोवा से प्रार्थना करके कहा, “हे यहोवा, क्या जब मैं अपने देश में था तब मैंने यह नहीं कहा था? इसी कारण मैं
तरशीश को भाग गया, क्योंकि मैं जानता था कि तू अनुग्रहकारी

और दयालु परमेश्वर है, कोप करने में धीरजवन्त और करूणा से परिपूर्ण है, और तू विपत्ति से पश्चाताप करता है।

3 अब, हे यहोवा, मैं तुझसे विनती करता हूँ, मेरा प्राण ले ले, क्योंकि मेरे लिये जीवित रहने से मरना ही अच्छा है।”

4 यहोवा ने कहा, “क्या तेरा क्रोधित होना ठीक है?”

5 तब योना नगर से निकलकर नगर के पूर्व की ओर बैठ गया; वहाँ उसने अपने लिये एक झोंपड़ी बनाई, और उसके नीचे बैठकर छाया में प्रतीक्षा करने लगा कि नगर का क्या होगा।

6 तब यहोवा परमेश्वर ने एक रेंड़ा उगाया, जो योना के सिर पर छाया करने को उसके ऊपर बढ़ा ताकि वह अपने दुःख से छुटकारा पाए; और योना उस रेंड़े के कारण बहुत प्रसन्न हुआ।

7 परन्तु दूसरे दिन भोर को परमेश्वर ने एक कीड़ा भेजा, जिसने उस रेंड़े को ऐसा मारा कि वह सूख गया।

8 और जब सूर्य निकला, तो परमेश्वर ने पूरबी गर्म हवा भेजी; सूर्य ने योना के सिर पर ऐसा मारा कि वह मूर्छित हो गया, और उसने अपने लिये मृत्यु की आशा की, और कहा, “मेरे लिये जीने से मरना अच्छा है।”

9 परमेश्वर ने योना से कहा, “क्या उस रेंड़े के कारण तेरा क्रोधित होना ठीक है?” उसने कहा, “हाँ, मेरा क्रोधित होना ठीक है, यहाँ तक कि मर जाऊँ।”

10 तब यहोवा ने कहा, “तुझे उस रेंड़े पर दया आई, जिसके लिये तूने न तो परिश्रम किया और न तूने उसे बढ़ाया; वह एक ही रात में उगा और एक ही रात में नाश हो गया।

11 तो क्या मैं उस बड़े नगर नीनवे पर दया न करूँ, जिसमें एक
लाख बीस हज़ार से भी अधिक लोग रहते हैं, जो अपने दाहिने और
बाएँ हाथ का भेद नहीं जानते, और बहुत से पशु भी हैं?”

जैसा कि हम ऊपर पढ़ते हैं, योना ने परमेश्वर की आज्ञा को इसलिए नहीं माना क्योंकि वह परमेश्वर को बहुत दयालु जानता था। उसने देखा था कि कैसे परमेश्वर बार-बार इस्राएलियों को चेतावनी देने के बाद भी दण्ड देने से रुक जाता था। इसलिए जब उसे नीनवे जाकर मन-फिराव (TOBA) का प्रचार करने को कहा गया, तो उसने सोचा— “अंत में परमेश्वर तो दयावान है, वह अवश्य क्षमा करेगा।” इसलिए उसने वचन को हल्का समझा और अपनी राह चला।

यही बात आज कई प्रचारकों और गुनगुने मसीहीयों पर लागू होती है। आरम्भ में वे सचमुच पश्चाताप का संदेश सुनाते थे, पर अब अधिकतर केवल सान्त्वना और उन्नति के संदेश देते हैं— “सब कुछ अच्छा

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

योना : अध्याय 4

है , परमेश्वर प्रेम है , परमेश्वर कपड़ों को नहीं देखता , वह केवल दिल को देखता है , हम अनुग्रह के अधीन हैं। ” लेकिन बाइबल कहती है :

- सबसे पहला प्रचार जो योहन बपतिस्मा देनेवाले ने किया था — “मन फिराओ ” (मत्ती 3:2)।
- सबसे पहला वचन जो प्रभु यीशु ने अपनी सेवा में कहा — “मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है ” (मत्ती 4:17)।

आज कई प्रचारकों का पहला वचन है — “आओ और ग्रहण करो। ”

भाइयो और बहनो , यह धोखा है। यह सब गुनगुने मसीही तरशीश की ओर समुद्री मार्ग से जा रहे हैं —जहाँ पर समुद्र से निकलनेवाला पशु (प्रकाशितवाक्य 13, 17) उनका इंतज़ार कर रहा है।

परन्तु क्यों ? क्योंकि वे केवल यह सोचते हैं कि “परमेश्वर दयालु है , वह सबको बचाएगा। ” परन्तु नूह के दिनों में और लूत के दिनों में परमेश्वर ने दुष्टों का नाश किया। वैसे ही अन्त के दिनों में भी होगा यदि लोग पश्चाताप न करें।

यिर्मयाह 28:15–17 हमें दिखाता है कि झूठे भविष्यद्वक्ता झूठी आशा देकर लोगों को धोखा देते हैं। हनन्याह ने कहा था कि बन्दीगृह न होगा , परन्तु दो महीने बाद ही परमेश्वर ने उसे मार डाला।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

□□□□□□, □□□□□ □□ □□□□, □□□□ □□ □□□ □□□ □□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ (□□□□□□□□□□ 12:14)□ □□□□□□□□□□,
□□□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□□□ □□□□□□, □□□□□, □□□□□□—□□ □□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□, □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□□□ □□□□ □□□□ □□□

□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□□, □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP....

Share on:
WhatsApp